सखी बहनों की बनाई राखी से सजेगी भाईयों की कलाई

जननायक | चित्तौड़गढ़। बहन भाई के त्योहार राखी को लेकर शहर के बाजारों-घरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। रंग बिरंगी राखियों से दुकानें सज चुकी हैं। इसी बीच जिले के पुठोली गांव की सखी उपाया हैंडलुम टेक्सटाइल यूनिट की महिलाओं द्वारा हस्त निर्मित इको फ्रेंडली राखियां भी भाइयों कलाई मे सजने के लिए उपलब्ध है।

खास बात यह है कि इस समूह से जुड़ी सभी 20 महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं जिनमें 8 मुस्लिम महिलाएं भी हैं। समूह की महिलाएं पिछले कई वर्षों से समूह से जुड़ी हैं। इनके द्वारा पहली बार बनाई गई राखियां जिले में ही नहीं प्रदेश के अन्य जिलों उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद और अजमेर सहित अन्य जगहों पर भी भेजी जा रही हैं। ये महिलाएं रूई, कपड़े और ऊन से राखियां तैयार कर रोजगार पाने के साथ ही इको फ्रेंडली प्रेक्टिस को बढ़ावा दे कर बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध करा रही हैं। समूह से जुड़ी सखी महिला हीना बानो

बताती हैं कि यहां 25 से अधिक डिजाइन में राखियां तैयार की जा रही है। हिन्दू भाईयों के लिए रंग बिरंगी और इकोफ्रेंडली राखियों से न सिर्फ इस त्यौहार में शामिल होने का मौका मिलता है साथ ही रोजगार भी मिला है। हैंडलुम टेक्सटाइल यूनिट में राखियों को बनाने का प्रशिक्षण हिन्दुस्तान जिंक के सहयोग से मंजरी फाउंडेशन द्वारा संचालित सखी परियोजना में डिजाइनर द्वारा दिया गया है। ये राखियां हिन्दुस्तान जिंक की विभिनन इकाइयों में स्टॉल पर भी उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री को भेजी सखी निर्मित राखियां

सखी महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित राखियां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी बांधी गई। उनके लिये विशेष रूप से राखियों को जयपुर भेजा गया, जिन्हें अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख परियोजना नंदघर और हिन्दुस्तान जिंक की सखी परियोजना से जुड़ी महिलाओं द्वारा उनकी कलाई में बांधी।